COURSE CODE: HND102		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **आधुनिक काव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**		**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**		**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।**
2. **विद्यार्थियों को आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।**
3. **आधुनिक युग के इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम से परिचित कराना।**
4. **विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।**

UNIT-1 18Hours	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – यमुना शोभा, हरियौध – प्रिय प्रवास – षष्ठ सर्ग मैथलिशरण गुप्त – साकेत नवंम सर्ग पाठ्यग्रन्थ आधुनिक कविता के प्रतिमान – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी
UNIT-2 18Hours	जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, इड़ा सर्ग), आँसू (सम्पूर्ण)
UNIT-3 18 Hours	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग, संध्या सुन्दरी, स्नेह निर्झर बह गया, जूही की कली, सरोज स्मृति, राम की शक्तिपूजा
UNIT-4 18 Hours	सुमित्रानंदन पंत : नौका विहार, ताज, भारतमाता, परिवर्तन,
UNIT 5 18 Hours	महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, धीरे–धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत रजनी, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, पिक हौल–हौले बोल पंथ होने दो अपरिचित, रे पपीहे पी कहां, क्या जलने की रीति सलभ, प्रिय पथ के यह शूल चुभते ही तेरा अरूण बान

अनुशंसित ग्रंथअनुशंसित ग्रंथ

1. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
2. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
3. छायावाद – नामवर सिंह
4. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्र शाह
5. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ – डॉ निर्मला जैन
7. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन – डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना
8. कामायनी : इतिहास और रूपक – सुशीला शर्मा
9. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ संतोष कुमार तिवारी
10. क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ बच्चन सिंह
11. निराला : आत्महंता आस्था – डॉ दूधनाथ सिंह
12. आज के प्रतिनिधि कवि – राजकिशोर यादव
13. नई कविता की भूमिका – श्री अंजनी कुमार
14. नई कविता की वैचारिक परिप्रेक्ष्य – डॉ. जीवन प्रकाश जोशी
15. नई कविता : संस्कार और शिल्प – डॉ. रमाशंकर मिश्र
16. कामायनी का संसार – डॉ. प्रेमशंकर
17. कामायनी : अध्ययन की समस्यायें – डॉ. नगेन्द्र
18. मैथलीशरण गुप्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. कमला कान्त पाठक
19. आँसू : काव्य और शैली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
20. आधुनिक कविता के प्रतिमान – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी

COURSE CODE:HND202	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE:**कथा साहित्य**	
CREDIT: THEORY: 6PRACTICAL:NA	HOURS: 90 THEORY: 90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 70+30PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

१. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

UNIT- 1/ 18 Hours	रंगभूमि (उपन्यास) – प्रेमचंद
UNIT-2 18 Hours	वाणभट्ट की आत्मकथा –हजारी प्रसाद द्विवेदी
UNIT-3 18 Hours	शेखर एक जीवनी (भाग–एक) – अज्ञेय
UNIT-4 18 Hours	तमस – भीस्म साहनी
UNIT-5 18 Hours	कहानियाँ – संपादक शुकदेव सिंह विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 1. पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद 2. उसकी माँ – बेचन शर्मा 'उग्र' 3. भेड़िए – भुवनेश्वर 4. परदा – यशपाल 5. काँगड़ा का तेली – उपेंद्र नाथ अश्क 6. वांङ्चू – भीष्म साहनी 7. मलबे का मालिक – मोहन राकेश

अनुशंसित ग्रंथ		
	1. प्रेमचंद : एक अध्ययन	– राजेश्वर गुरू
	2. प्रेमचंद और उनका युग	– रामविलास शर्मा
	3. प्रेमचंद : एक विवेचन	– इंद्रनाथ मदान
	4. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी	– त्रिभुवन सिंह
	5. अज्ञेय का कथा साहित्य	– ओम प्रभाकर
	6. विवेक के रंग	– देवीशंकर अवस्थी
	7. हिंदी उपन्यास	– शिवनारायण श्रीवास्तव
	8. कहानी नई कहानी	– नामवर सिंह
	9. कहानी आंदोलन की भूमिका	– बलीराज पांडे
	10. आज की हिंदी कहानी	– विजय मोहन सिंह
	11. उपन्यास का इतिहास	– गोपाल राय
	12. उपन्यास : स्थिति और गति	– चंद्रकांत बांदीवड़ेकर
	13. यशपाल	– कमला प्रसाद
	14. दूसरी परंपरा की खोज	– नामवर सिंह
	15. नई कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य	– रामकली सराफ
	16. हिंदी का गद्य साहित्य	– रामचंद्र तिवारी
	17. हिन्दी कथा सरिता	– डॉ. शशीकला पाण्डेय

COURSE CODE:HND203		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **भारतीय काव्यशास्त्र**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE: छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
2. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
3. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
4. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य, वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
5. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

UNIT-1 18 Hours	काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचयकाव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन
UNIT-2 18 Hours	रस सिद्धांत – रस की अवधारणा , रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
UNIT-3 18 Hours	ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धांत का महत्व
UNIT-4 18 Hours	अलंकर सिद्धांत – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धांत एवं अन्य संप्रदाय। रीति सिद्धांत – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।

UNIT-5 **18 Hours**	वक्रोक्ति सिद्धांत – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।
अनुशंसित ग्रंथ	भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ.भागीरथ मिश्र 2. रसमीमांसा – आ0 रामचंद्र शुक्ल 3. संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय 4. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ.नगेंद्र 5. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी 6. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोलाशंकर व्यास 7. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ.नगेंद्र 8. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ.कृष्णदेव शर्मा 9. काव्य के रूप – गुलाब राय 10. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ.बच्चन सिंह 11. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा – संपादन डॉ.नगेंद्र 12. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिमान – डॉ.जगदीश प्रसाद कौशिक 13. साहित्य शास्त्र – रामशरण दास गुप्त 14. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेंद्र 15. रस सिद्धान्त – डॉ. नगेन्द्र 16. समीक्षाशास्त्र के मानदण्ड – डॉ. रामसागर त्रिपाठी 17. रस और रस परंपरा – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी 18. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान – डॉ. हरिमोहन

:

COURSE CODE:HNDB02		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **आदिकाव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1.हिंदी की आदिकालीन, काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना।
3. पाठ्यकृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।
4. छात्र छात्रो को साहित्य के आदिकालीन काव्य से परिचित होना आवश्यक है।
5. चद्वरदांयी, विद्यावती, सूर तुलसी, जैसे महान रचनाकारों की पृष्ठभूमि तथा प्रमुख रचनाओं का अपना ही महत्व है इन उद्देश्य से पाठ्यक्रम के माध्यम से बताना महत्वपूर्ण है।

UNIT-1 18 Hours	सरहपाद : चर्यापद, दोहाकोष पाठ्यग्रन्थ – आदिकालिन काव्य : डॉ. वासुदेव सिंह
UNIT-2 18 Hours	गोरखनाथ : सबदी के पद
UNIT-3 18 Hours	चन्दवरदाई – अथपदमावती समय
UNIT-4 18 Hours	विद्यापति – कीर्तिलता प्रथम पल्लव पदावली : प्रार्थना, बंशीमाधुरी, रूपवर्णन, द्वितीय प्रसंग, बसंत मिलन
UNIT-5 18 Hours	संदेश रासक – अब्दुल रहमान (प्रथम प्रक्रम)

अनुशंसित ग्रंथ

1.हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल

2.हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक : डॉ. नगेन्द्र

3.. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

4.संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह 'दिनकर

5. पृथ्वीराज रासो – (चन्दवरदाइ) – श्यामसुन्दर दास
6. विद्यापति पदावली – रामबृक्ष बेनीपुरी
7. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह
8. संदेश रासक – हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. आदिकालीन काव्य – डॉ. वासुदेव सिंह
11. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – डॉ. प्रेमब्रत तिवारी

COURSE CODE:HNDB03		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **संत काव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को संत काव्य से परिचित कराना।
2. हिंदी की संत काव्य की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
3. तत्कालीन प्रमुख क
   तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।
4. पाठ्य कृतियों
   संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18 Hours	कबीरदास
UNIT-2 18 Hours	मलिक मुहम्मद जायसी
UNIT-3 18 Hours	सूरदास
UNIT-4 18 Hours	नन्ददास

UNIT-5 **18 Hours**	सुलसीदास पाठ्यग्रन्थ – मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ. रामचन्द्र तिवारी
अनुशंसित ग्रंथ	1. नाथ संप्रदाय – हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. हिंदी साहित्य में निगुर्ण संप्रदाय – डॉ.पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल 3. संत साहित्य – डॉ.राधेश्याम दुबे 4. हिंदी काव्य की निगुर्णधारा में भक्ति – डॉ.श्यामसुंदर शुक्ल 5. उत्तरभारत की संत परंपरा – डॉ.परशुराम चतुर्वेदी 6. कबीर का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी 7. संत साहित्य की समझ – डॉ. नन्दकिशोर पाण्डेय 8. कबीर कवि साधक और समाज सुधारक – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी, डॉ. राजकुम उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDB04	COURSE TYPE: ECC/CB

COURSE TITLE

रीति काव्य

CREDIT:	HOURS: 90	
THEORY: 6PRACTICAL:NA	THEORY: 90	PRACTICAL:

MARKS:	MARKS	
THEORY: 70+30PRACTICAL:	THEORY:	PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. छात्रों को रीति काव्य से परिचित कराना।
2. हिंदी की रीति काव्य की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
3. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।
4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18 Hours	केशवदास – रसिकप्रिया बिहारी – बिहारी सतसई – भक्ति, संयोग, वियोग श्रृंगार पाठ्यग्रंथ : रीति काव्यधारा – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
UNIT-2 18 Hours	मतिराम – निर्धारित 01 से 15 छन्द भूषण – शिवाजी प्रशस्ति एवं छत्रशाल प्रशस्ति
UNIT-3 18 Hours	सेनापति – श्लेष वर्णन 10 छन्द देव – ऋतु वर्णन, रूप तरंग, वियोग वर्णन
UNIT-4 18 Hours	भिखारीदास – 10 छन्द पद्माकर – 10 छन्द शेखआलम – 10 छन्द

UNIT-5 **18 Hours**	स्वच्छन्द कवि : धनानन्द – 10 छन्द ठाकुर – 05 छन्द बोधा – 05 छन्द द्विजदेव – 05 छन्द
अनुशंसित ग्रंथ	1. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ.नगेंद्र 2. भारतीय साहित्यशास्त्र और काव्यालंकार – डॉ.भोलाशंकर व्यास 3. पद्माकर – विश्वनाथप्रसाद मिश्र 4. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना – डॉ.बच्चन सिंह 5. केशव का आचार्यत्व – डॉ.विजयपाल सिंह 6. महाकवि मतिराम – डॉ.त्रिभुवन सिंह 7. रीतिकालीन काव्यसिद्धांत – डॉ.सूर्यनारायण द्विवेदी 8. घनआनन्द कवित्त – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 9. घनआनन्द ग्रन्थावली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDB05		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **छायावादी काव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को छायावाद से परिचित कराना।**
2. **छायावाद की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।**
3. **तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।**
4. **पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।**

UNIT-1 **18Hours**	स्वच्छन्दतावादी काव्य की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ छायावदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावादी कवि और काव्य
UNIT-2 **18Hours**	कामायनी – जयशंकर प्रसाद (चिंता, आशा एवं श्रद्धा सर्ग)
UNIT-3 **18Hours**	अनामिका – निराला (राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति)
UNIT-4 **18Hours**	सुमित्रानंदन पंत : नौका विहार, ताज, भारतमाता, परिवर्तन,
UNIT-5 **18Hours**	महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, धीरे–धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत रजनी, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, पिक हौले–हौले बोल पंथ होने दो अपरिचित, रे पपीहे पी कहां, क्या जलने की रीति सलभ, प्रिय पथ के यह शूल चुभते ही तेरा अरूण बान

अनुशंसित ग्रंथ

1. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
2. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
3. छायावाद – नामवर सिंह
4. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्र शाह
5. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ – डॉ निर्मला जैन
7. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन – डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना
8. कामायनी : इतिहास और रूपक – सुशीला शर्मा
9. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ संतोष कुमार तिवारी
10. क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ बच्चन सिंह
11. निराला : आत्महंता आस्था – डॉ दूधनाथ सिंह
12. आज के प्रतिनिधि कवि – राजकिशोर यादव
13. नई कविता की भूमिका – श्री अंजनी कुमार
14. नई कविता की वैचारिक परिप्रेक्ष्य – डॉ. जीवन प्रकाश जोशी
15. नई कविता : संस्कार और शिल्प – डॉ. रमाशंकर मिश्र
16. कामायनी का संसार – डॉ. प्रेमशंकर
17. कामायनी : अध्ययन की समस्यायें – डॉ. नगेन्द्र
18. मैथलीशरण गुप्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. कमला कान्त पाठक
19. आँसू : काव्य और शैली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
20. आधुनिक कविता के प्रतिमान – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी
21. स्वच्छन्दतावादी काव्य – डॉ. प्रेमशंकर

COURSE CODE:HNDB05		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **स्वातंत्र्योत्तर काव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य से परिचित कराना।**
2. **स्वातंत्र्योत्तर काव्य की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।**
3. **तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।**
4. **पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।**

UNIT-1 18Hours	अज्ञेय – मैने देखा एक बूंद, जरा व्याध, सर्जना के क्षण मूक्तिबोध – भूल गलती, ब्रम्ह राक्षस
UNIT-2 18Hours	नागार्जुन – बहोत दिनों के बाद, बादल को घिरते देखा है त्रिलोचन – चंपा काले–काले अक्षर नहीं चीन्हती, नदी – कामधेनु, मैं उस जनपद का कवि हूँ
UNIT-3 18Hours	शमशेर बहादुर सिंह – एक पीली शाम, टुटी हुई बिखरी हुई, सूर्यास्त सर्वेश्वर दयार सक्शेना – काठ की धण्टियाँ, लोहिया के न रहने पर, संत बानी
UNIT-4 18Hours	केदारनाथ अग्रवाल – एक हथौडे वाला घर में और हुआ केदारनाथ सिंह – अकाल में सारस, चुप्पियाँ
UNIT-5 18Hours	धूमिल – मेरी कविता, मोचीराम, कवि – 1970 लीलाधर जगूडी – अंर्तदेशिय, जनता की जमीन पर रोज आना, स्त्री प्रत्यय पाठ्यग्रन्थ – समकालीन कविता – डॉ. मालती तिवारी

अनुशंसित ग्रंथ	
	1. नई कविता नये कवि – विशम्भर मानव 2. आधुनिक हिंदी काव्यधारा – डॉ.सरजू प्रसाद मिश्र 3. कविता के नये प्रतिमान – डॉ.नामवर सिंह 4. समकालीन कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 5. साठोत्तरी हिंदी कविता की परिवर्तित दिशाएँ – विजय कुमार 6. आधुनिक साहित्य – आ. नंद दुलारे वाजपेयी 7. समकालीन काव्य यात्रा – नंद किशोर नवल 8. कविता और संवेदना – विजय बहादुर सिंह 9. कविता का जनपद – सं अशोक वाजपेयी 10. कविता : पहचान का संकट – नंद किशोर नवल 11. प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता कवि और अज्ञेय – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

M.A. in HINDI **(SECOND SEMESTER)**	
COURSE CODE: HND B01	**COURSE TYPE : ECC/CB**
COURSE TITLE: ENVIRONMENTAL AND FOREST LAWS	
CREDIT: 06 **THEORY: 06**	**HOURS : 90** **THEORY: 90**
MARKS : 100 **THEORY: 70 CCA : 30**	

OBJECTIVE:

- Understands the concept and place of research in concerned subject
- Gets acquainted with various resources for research
- Becomes familiar with various tools of research
- Gets conversant with sampling techniques, methods of research and techniques of analysis of data
- Achieves skills in various research writings
- Gets acquainted with computer Fundamentals and Office Software Package .

UNIT - 1 18 Hrs	**EVOLUTION OF FOREST AND WILD LIFE LAWS** a) Importance of Forest and Wildlife b) Evolution of Forest and Wild Life Laws c) Forest Policy during British Regime d) Forest Policies after Independence. e) Methods of Forest and Wildlife Conservation.

UNIT - 2 18 Hrs	**FOREST PROTECTION AND LAW** a) Indian Forest Act, 1927 b) Forest Conservation Act, 1980 & Rules therein c) Rights of Forest Dwellers and Tribal c) The Forest Rights Act, 2006 d) National Forest Policy 1988
UNIT - 3 18 H rs	**WILDLIFE PROTECTION AND LAW** a) Wild Life Protection Act, 1972 b) Wild Life Conservation strategy and Projects c) The National Zoo Policy
UNIT - 4 18 Hrs	**CHAPTER – BASIC CONCEPTS** a. Meaning and definition of environment. b. Multidisciplinary nature of environment c. Concept of ecology and ecosystem d. Importance of environment e. Meaning and types of environmental pollution. f Factors responsible for environmental degradation. **CHAPTER– INTRODUCTION TO LEGAL SYSTEM** a. Acts, Rules, Policies, Notification, circulars etc b. Constitutional provisions on Environment Protection c. Judicial review, precedents d. Writ petitions, PIL and Judicial Activism **CHAPTER – LEGISLATIVE FRAMEWORK FOR POLLUTION CONTROL LAWS** a) Air Pollution and Law. b) Water Pollution and Law. c) Noise Pollution and Law.

UNIT - 5

18 Hrs

CHAPTER- LEGISLATIVE FRAMEWORK FOR ENVIRONMENT PROTECTION

a) Environment Protection Act & rules there under

b) Hazardous Waste and Law

c) Principles of Strict and absolute Liability.

d) Public Liability Insurance Act

e) Environment Impact Assessment Regulations in India

CHAPTER – ENVIRONMENTAL CONSTITUTIONALISM

a. Fundamental Rights and Environment

i) Right to Equality …….Article 14

ii) Right to Information ……Article 19

iii) Right to Life ……..Article 21

iv) Freedom of Trade vis-à-vis Environment Protection

b. The Forty-Second Amendment Act

c. Directive Principles of State Policy & Fundamental Duties

d. Judicial Activism and PIL

SUGGESTED READINGS

Bharucha, Erach. Text Book of Environmental Studies. Hyderabad : University Press (India) Private limited, 2005.

Doabia, T. S. Environmental and Pollution Laws in India. New Delhi: Wadhwa and Company, 2005.

Joseph, Benny. Environmental Studies, New Delhi: Tata McGraw-Hill Publishing Company Limited, 2006.

Khan. I. A, Text Book of Environmental Laws. Allahabad: Central Law Agency, 2002.

Leelakrishnan, P. Environmental Law Case Book. 2nd Edition. New Delhi: LexisNexis Butterworths, 2006.

Shastri, S. C (ed). Human Rights, Development and Environmental Law, An Anthology. Jaipur: Bharat law Publications, 2006.

Environmental Pollution by Asthana and Asthana, S,Chand Publication

Environmental Science by Dr. S.R.Myneni, Asia law House

Gurdip Singh, Environmental Law in India (2005) Macmillan.

Shyam Diwan and Armin Rosencranz, Environmental Law and Policy in India –

Cases, Materials and Statutes (2nd ed., 2001) Oxford University Press.

JOURNALS :-

Journal of Indian Law Institute, ILI New Delhi.

Journal of Environmental Law, NLSIU, Bangalore.

MAGAZINES :-

Economical and Political Weekly

Down to Earth .